❋ 18 जून 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ❋

❋ ज्ञान-

1] बाबा फिर भी स्कूल की पढ़ाई की महिमा करते है, वह पढ़ाई फिर भी अच्छी है, क्योंकि उसमें सोर्स ऑफ इनकम है। एम ऑबजेक्ट भी है। यह भी पाठशाला है, इसमें एम ऑबजेक्ट है। फिर कहाँ भी यह एम ऑबजेक्ट होती नहीं है। तुम्हारी एक ही एम है नर से नारायण बनने की।

2] बाप को सुनायेंगे नहीं, छिपायेंगे तो वह वृद्धि होती जायेगी। झूठ चल न सके। तुम्हारी वृत्ति खराब होती जायेगी। बाप को सुनाने से तुम बच जायेंगे। सच बताना चाहिए, नहीं तो बिल्कुल महारोगी बन जायेंगे। बाप कहते हैं विकारी जो बनते हैं उनका काला मुंह होता है। पतित माना काला मुंह।

3] अभी तक मैजारिटी बच्चे कमजोर संकल्पों को स्वयं ही इमर्ज करते हैं– सोचते हैं पता नहीं होगा या नहीं होगा, क्या होगा..... यह कमजोर संकल्प ही दीवार बन जाते हैं और सफलता उस दीवार के अन्दर छिप जाती है। माया कमजोर संकल्पों की जाल बिछा देती है, उसी जाल में फंस जाते हैं।

❋ योग-

1] जब श्रापित होत हैं तो जो सुख देने वाला है उनको सब याद करते हैं क्योंकि वह है सुख दाता, सदा सुख देने वाला।

2] याद करो तो पाप कटें तब फूल बनकर फिर औरों को भी फूल बनायेंगे, तब माली नाम रख सकते हैं।

❋ धारणा-

1] बच्चे, खबरदार रहो, खामियां निकालते जाओ, नहीं तो फिर बहुत पछतायेंगे। बाबा आये हैं लक्ष्मी-नारायण बनाने, उनके बदले हम नौकर बनें ! अपनी जांच की जाती है, हम ऐसा ऊंच लायक बनते हैं? यह तो जानते हो कांटो के जंगल का बीज रावण है, फूलों के बगीचे का बीज है राम।

2] अभी पूरा जोर पुरूषार्थ करना पड़े। नर से नारायण बनना चाहिए, जो अच्छे पुरूषार्थी होंगे वाह अमल करेंगे। रोज़ की आमदनी और घाटे को देखना होता है। 12 मास की बात नहीं, रोज़ अपना घाटा और फायदा निकालना चाहिए। घाटा नहीं डालना चाहिए। नहीं तो थर्ड क्लास बन पड़ेंगे।

3] मैं निश्चयबुद्धि विजयी हूँ, सफलता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है– इस स्मृति से कमजोर संकल्पों को समाप्त करो।

❋ सेवा-

1] बच्चे जानते हैं यहाँ बागवान पास रिफ्रेश होने आते हैं। माली भी बनते हैं, फूल भी बनते हैं। माली तो जरूर बनना है। किस्म-किस्म के माली हैं। सर्विस नहीं करेंगे तो अच्छा फूल कैसे बनेंगे? हर एक अपने दिल से पूछे कि मैं किस प्रकार का फूल हूँ? किस प्रकार का माली हूँ? बच्चों को विचार सागर मंथन करना पड़े।

2] बाप की सर्विस लिए जब तक फूल बन औरों को नहीं बनाया है तो ऊंच पद कैसे पायेंगे? 21 जन्मों के लिए ऊंच पद है। महाराजायें, राजायें, बड़े-बड़े साहूकार भी हैं। फिर नम्बरवार कम साहूकार भी हैं, प्रजा भी है। अब हम क्या बनें? जो अभी पुरूषार्थ करेंगे वह कल्प कल्पान्तर बनेंगे।